स्थिति की ओर बढ़ते हैं, सामाजिक परिवर्तन को भी विकास की निश्चित अवस्थाओं में होकर आगे बढ़ना पड़ता है।

(4) **लिस्टर वार्ड** आदि समाजशास्त्री स्पेन्सर के मत से सहमत नहीं हैं। वार्ड का मत है कि परिवर्तन व्यक्ति के सामाजिक लक्ष्यों तथा आकांक्षाओं पर आधारित होता है। इसलिए यह विकास के सिद्धान्त पर आधारित न होकर योजनाबद्ध (Planned), बुद्धियुक्त (Intelligent) तथा सौद्देश्य (Purposive) होता है। प्रत्येक मानव अपनी बुद्धि के अनुसार उन लक्ष्यों को निर्धारित करता है जिन्हें वह प्राप्त कर सकता है। उन लक्ष्यों को प्राप्त करने से ही सामाजिक परिवर्तन होता है।

(5) **ऑगबर्न** के अनुसार सामाजिक परिवर्तन तथा सांस्कृतिक परिवर्तन में कोई अन्तर नहीं है। उसने बताया कि संस्कृति के दो रूप हैं—(1) भौतिक तथा (2) अभौतिक। भौतिक संस्कृति का अर्थ उन सभी वस्तुओं से है जिन्हें मानव ने अपने उपयोग के लिए बनाया है; उदाहरण के लिए नई-नई मशीनें, रेडियो, टेलीविजन तथा यातायात के सभी साधन। अभौतिक संस्कृति के उदाहरण हैं—आदर्श, विचार, विश्वास, आदतें, धारणायें, रीति-रिवाज तथा परम्परायें एवं मनोवृत्तियाँ। ऑगबर्न के अनुसार पहले संस्कृति के भौतिक तत्त्वों में परिवर्तन होता है और फिर अभौतिक तत्त्वों में। इस प्रकार भौतिक परिवर्तन के मूल में सामाजिक परिवर्तन निहित है। जब भौतिक संस्कृति की अपेक्षा अभौतिक संस्कृति पीछे रह जाती है अर्थात् इसमें कोई परिवर्तन नहीं होता तो सामाजिक अथवा सांस्कृतिक विलम्बना (Cultural lag) उत्पन्न हो जाती है। चूँकि भारत में भौतिक संस्कृति द्वारा लाये हुए परिवर्तनों के साथ-साथ अभौतिक संस्कृति में परिवर्तन नहीं हो रहे हैं, इसलिए हमारे यहाँ ऑगबर्न के अनुसार सांस्कृतिक विलम्बना उत्पन्न हो गई है। इस सांस्कृतिक विलम्बना को दूर करने का एकमात्र साधन केवल शिक्षा ही है।

सामाजिक परिवर्तन के निर्णायक कारक
(Factors that Determine Social Change)

सामाजिक परिवर्तन एक निरन्तर होने वाली प्रक्रिया है। इस सम्बन्ध में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि आखिर सामाजिक परिवर्तन के निर्णायक कारक कौन-कौन से हैं। समाजशास्त्रियों का मत है कि सामाजिक परिवर्तन के अनेक कारक हो सकते हैं, परन्तु उनमें से मुख्य कारक हैं—(1) **भौतिक पर्यावरण,** (2) **वैज्ञानिक आविष्कार** तथा (3) **अन्तःक्रिया**। हमने उपर्युक्त पंक्तियों में सामाजिक परिवर्तन की धारणा पर प्रकाश डालते समय इस बात की चर्चा की है कि ऑगबर्न (Ogburn) के अनुसार सामाजिक परिवर्तन पहले **भौतिक संस्कृति** में होता है तथा इसके बाद **अभौतिक संस्कृति** में। परन्तु ओटावे